Solidaridad

कृषि-रसायनों (कीटनाशकों /खरपतवारनाशकों /रोगनाशकों) के सुरक्षित प्रयोग की जानकारी

किसान भाईयों, हमारा प्रयास रहता है कि हमें हमारी फसल का समुचित उत्पादन मिले। इस लिए हम अच्छा उत्पादन देने वाली किस्मों का बीज व अन्य आदानों का उपयोग निरंतर करते जा रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के इस प्रयास में हम सफल भी हुए हैं। इसके साथ साथ हमारी फ़सलों में कीट व रोगों का प्रकोप भी बढ़ा है। अगर हम इन विपदाओं का प्रबंधन न कर पाएं तो बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। इससे बचने के लिए हम लोग कीटनाशकों व रोगनाशकों का प्रयोग करते हैं। इन रसायनों के उपयोग में इनके चयन, अनुशंसित मात्रा व डालने के तरीके के अलावा मनुष्यों, अन्य जीवों, कृषि से जुड़े संसाधनों व वातावरण पर ख़राब असर न पड़ने देने पर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है। समुचित जानकारी के अभाव में हमारे किसान भाई इन विषैले रसायनों का उपयोग अनुशंसित से अधिक मात्रा में और गलत तरीके से कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप इन रसायनों की घातक मात्रा हमारी खाद्य श्रृंखला में पहुंच रही है। यही नहीं , इससे हमारे आहार के माध्यम से व इनके खेतों में डालने की प्रक्रिया में काम कर रहे व्यक्तियों के संपर्क से स्वास्थ्य को नुकसान पहुँच रहा है और वातावरण भी दूषित हो रहा है। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि किस प्रकार हमारे किसान भाई कृषि रसायनों के सुरक्षित प्रयोग के बारे में जानकारी पाएं जाने और उसे अपने कृषि कार्य का हिस्सा बनाए। इस सम्बन्ध में कुछ महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए जा रहे है। किसान भाई इनका ध्यान रखे ताकि कृषि रसायनों के प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

कीटनाशकों के प्रयोग से पूर्व सुरक्षा उपाय

- कीट की सही पहचान करें और उससे होने वाले नुकसान का अनुमान लगाएं।
- कीटनाशकों का प्रयोग तभी करे जब इसकी आवश्यकता हो अर्थात जब कीट का घनत्व आर्थिक नुकसान के स्तर से अधिक हो।
- विशेषज्ञों द्वारा दी गयी सिफारिश के अनुसार कीटनाशकों का प्रयोग करें। यदि एक से अधिक कीटनाशकों की सिफारिश की गयी हो तो स्तनधारी प्राणियों के लिए सब से कम विषैला एवं यथाशीघ्र विघटित होने वाले कीटनाशक का चुनाव करें।
- कीटनाशकों के डिब्बे पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।
- कीटनाशकों /कृषि रसायन का छिड़काव करने वाले व्यक्ति को इसके प्रयोग की पूरी जानकारी दें।
- कृषि रसायन/कीटनाशको का छिड्काओं करने से पूर्व पूर्ण सुरक्षा वस्त्रों का उपयोग करें, जैसे दस्ताने चश्मा, मास्क, बाजूबंद कमीज़ पाजामा, जूता, टोपी ।
- प्रयोग में लिए जाने वाले उपकरण से रिसाव की जांच पानी से कर लें । यदि रिसाव हो तो उसे सुधार करने बाद ही उसे प्रयोग में लाये।
- पानी की पर्याप्त मात्रा ,साबुन और तौलिये की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें।
- कीटनाशक का भण्डारण तालाबंद कमरे में करें ताकि वे बच्चों व जानवरों की पहुँच से दूर रहें।
- कीटनाशकों को केवल अनुशंसित मात्रा में हीं उपयोग में लाएं।
- एक ही कीटनाशक का उपयोग बार बार न करें। विकल्प चुने।
- कीटनाशकों के उपयोग करने के लिए न तो घरेलू बर्तनों को लें और न हीं कीटनाशकों से खाली हुए डिब्बों का घर के कामों में उपयोग करें।
- छिडकाव करने वाले व्यक्ति खाली पेट न रहे।
- सदैव विषहर एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था रखें।

किसान भाईयों, कृषि-रसायनों के खरीदने से पूर्व निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखें :-

- रसायन का चुनाव विशेषज्ञ की सलाह पर करें
- सही उत्पाद खरीदें - लेबल की जाँच करें
- क्षतिग्रस्त पैकेट नहीं खरीदें
- अवधि समाप्त हुए पैकेट कभी भी नहीं खरीदें
- लाइसेंस प्राप्त डीलर से खरीदें

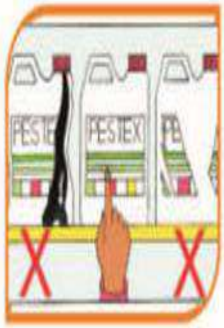

किसान भाईयों, कृषि-रसायनों (कीटनाशकों /खरपतवारनाशकों /रोगनाशकों) के खरीदने से पूर्व निम्न बात की जानकारी अवश्य ले :-

- व्यापारिक नाम
- क्रियाशील घटक का नाम
- उत्पाद का उपयोग
- निर्माण और समाप्ति की तिथि
- लेबल का रंग
- चित्रिय आरेख पट्टी पर जानकारी

किसान भाईयों,आईये यह भी समझते है की रसायनों लेबल पर विभिन रंगों का मतलब क्या है?

- लाल - अत्यंत खतरनाक
- पीला - मध्यम खतरनाक
- नीला - थोड़ा खतरनाक
- हरा - सामान्य उपयोग में तीव्र खतरा मौजूद नहीं है

किसान भाईयों, रसायन का प्रयोग करते समय रक्षात्मक कपड़े को ज़रूर पहने, जिसकी जानकारी इस प्रकार है :-

Solidaridad

• जूते • दस्ताने • श्वसन नकाब (मास्क) • चश्मा /चेहरे का कवच • टोपी • समस्त आवरण	

कीटनाशक का प्रयोग करते समय सुरक्षा के उपाय

- स्वच्छ रक्षात्मक वस्त्र पहने।
- त्वचा, मुख और आँख को कीटनाशक के संपर्क में आने से बचाएं।
- छिड़काव हमेशा हवा बहने की दिशा में करें।
- उचित मात्रा में कीटनाशक व घोल के लिए अनुशंसित मात्रा में पानी का प्रयोग करें।
- कभी भी नोज़ल या टोटी को जाम होने पर मुंह से फूँक मारकर ठीक करने का प्रयास न करें।
- बचे हुए कीटनाशक को कभी भी खेत में न छोड़े।
- कीटनाशक का छिड़काव हमेशा सुबह या शाम में करें।

कीटनाशक के प्रयोग के बाद सुरक्षा उपाय

- बचे हुए कीटनाशक का पुनः संग्रह कर भंडार-गृह में रखें।
- कीटनाशक के खाली गत्ते के डिब्बों को तोड़कर जलाकर नष्ट कर दें।
- टीन वाले खाली डिब्बों को पानी से तीन बारे धोकर व् बाद ठोंककर उसका आकार बदल दें व उनकों दूर एकांत स्थान में गड्ढा खोदकर दबा दें।
- बचा हुआ कीटनाशक कभी भी उपकरण में न छोड़े।
- रक्षात्मक वस्त्र को बदल ले और साफ़ कर ले।
- कीटनाशक के उपयोग जैसे दिनांक, मात्रा का लेखा-जोखा रखें।
- निश्चित समय के लिए कीटनाशक के प्रयोग के स्थान पर किसी व्यक्ति या जानवर का प्रवेश निषेध करें।
- कभी भी पीने के पानी के श्रोत के समीप उपकरण की सफाई न करें।
- उपकरण की सफाई पानी से कर पुनः उपयोग के लिए तैयार रखें।

कीटनाशक के विष के प्रभाव का उपचार

- यदि विष प्रारंभिक अवस्था में हो तो मरीज़ को उल्टी करवाएं।
- खाली पेट में 1-2 चम्मच नमक आधे ग्लास पानी में मिला कर पिलायें।
- उल्टी जब तक साफ़ न हो करवाते रहे।
- यदि सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो कृत्रिम तरीके से सांस दे।
- सभी खिड़की दरवाजे खोल दें और कपडे ढीले कर दें।
- यदि कीटनाशक का सीधा संपर्क त्वचा और शरीर से हुआ हो तो शरीर और बाल को साबुन से धोये।

Solidaridad

- फिर अल्कोहल से और फिर पानी से नाख़ून, ऊँगली और कान के हिस्से को भी अच्छी तरह से धोये।
- यदि कीटनाशक का संपर्क आँखों से हुआ हो तो उसे साफ़ पानी से धोये।
- यदि विष का पराभाव गंभीर अवस्था हो तो कीटनाशक के डिब्बे से जानकारी ले और मरीज को विषहर अशोध दें।
- सार्वभौमिक विषहर अशोध: दो भाग सक्रीय चारकोल, एक भाग कैल्शियम ऑक्साइड, एक भाग टैनिक एसिड व आधा ग्लास गुनगुने पानी में मिला कर दें।
- प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर की सलाह लें।

कीटनाशक वर्ग	**विषहर अशोध**
ओर्गेनो फॉस्फेट	पी ए एम् एट्रोपिन
कार्बामेट	एट्रोपिन
ओर्गेनो क्लोरिन	एपीनेफ्रिन
निकोटिन	पोटैशियम परमैगनेट
थक्का रोधी	विटामिन K 1, विटामिन K 2